



मार्गदर्शक श्याम सुंदर गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक	मुख्य संपादक लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी	संपादक निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी	उप संपादक मनोज कुमार साहू, वरिष्ठ अनुवादक
--	--	--	--

मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 56वीं बैठक संपन्न

दिनांक 14.03.2022 को मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 56वीं बैठक आयोजित की गई। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानक कार्यसूची के अनुसार इस बैठक में अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही के दौरान मंडल में हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई।

सर्वप्रथम अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्नोई ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि पत्राचार, नोटिंग, डिक्टेशन, निरीक्षण आदि कुछ ऐसे मद हैं जिनमें आपसे और भी अधिक सक्रिय सहयोग की अपेक्षा है। क्योंकि इन

मदों में हिंदी प्रयोग का लगातार अनुपालन करते रहना हमारी संवैधानिक जिम्मेदारी है। बैठक में प्रधान कार्यालय से विशेष रूप से आमंत्रित वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी श्री विक्रम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जन सूचना से संबंधित बोर्ड आदि हिंदी-अंग्रेजी द्विभाषी रूप में बनाया जाना सुनिश्चित किया जाए। सरकारी कामकाज में सरल भाषा का प्रयोग करें।

मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि जहां हिंदी को बढ़ावा देने से कर्मचारियों, ग्राहकों एवं आम जनता के काम में सरलता आए और उनके लिए सुविधाजनक हो वहां काम हिंदी में अवश्य किया जाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निदेश दिया कि वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को अवश्य पूरा किया जाए। जनसंपर्क के स्थानों पर अधिकाधिक हिंदी का प्रयोग करें ताकि बाहर से आने वाले

लोगों को भी यह महसूस हो कि हम लोग जनता की भाषा में कार्य कर रहे हैं। रेल उपभोक्ताओं के साथ संवाद हिंदी में ही करें, इससे संगठन की छवि और भी अच्छी होगी।

इस बैठक में मंडल के समस्त शाखा अधिकारी उपस्थित थे। बैठक का संचालन राजभाषा अधिकारी श्री निकेश कुमार पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।



अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कर्मचारियों का सम्मान

दिनांक 14 मार्च 2022 को रायपुर मंडल के उल्लास भवन में श्रीमती राधा गुप्ता, अध्यक्षा, सेक्रो, रायपुर के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के अवसर पर 130 से भी अधिक महिला कर्मचारियों ने बड़-चढ़कर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। इस अवसर पर सर्वप्रथम वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री उदय कुमार भारती द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता ने अपने संबोधन में महिला शक्ति को परिवार के साथ-साथ कार्यालय की दोहरी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के लिए बधाई दी। मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा रायपुर मंडल के प्रत्येक विभाग के एक-एक उत्कृष्ट महिला कर्मचारी को पुरस्कृत भी किया गया।



कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती राधा गुप्ता ने कहा कि विषम परिस्थिति में भी महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के कारण ही कोविड के इस संक्रामक स्थिति का सामना काफी सरलता और सहजता से किया जा सका है यह अभूतपूर्व है। इस अवसर पर उपाध्यक्षा / सेक्रो श्रीमती शिखा विश्वाई एवं सुनीता मिश्रा एवं सेक्रो के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। इस कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्वाई भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गाने प्रस्तुत किये और विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखायी। उपस्थित सभी महिला कर्मचारियों को अध्यक्षा राधा गुप्ता के कर कमलों से पारितोषिक वितरित किए गए।

अगर एक आदमी को शिक्षित किया जाता है, तब एक आदमी ही शिक्षित होता है। लेकिन जब एक औरत को शिक्षित किया जाता है, तो एक पीढ़ी शिक्षित होती है।

- महात्मा गांधी

वह सम्पत्ति, जो डिक्री के निष्पादन में कुर्क और विक्रय की जा सकेगी (Property liable to attachment and sale in Execution of Decree)

धारा - 60 सिविल प्रक्रिया संहिता में निर्णीत ऋणी की सम्पत्ति की कुर्की से संबंधित नियम का प्रावधान किया गया है। धारा -60 इस बात का उपबन्ध करती है कि धन के भुगतान के लिए पारित की गयी डिक्री के निष्पादन में कौन सी सम्पत्ति कुर्क और विक्रय की जा सकेगी और कौन सी सम्पत्ति कुर्क और विक्रय नहीं की जा सकेगी। इसका विवरण निम्न है :-

- **सम्पत्ति जो डिक्री के निष्पादन में कुर्की और विक्रय की जा सकेगी:-**

भूमि, गृह, माल (Goods), धन, बैंक नोट, चेक, विनिमय पत्र (Bills of Exchange), हुण्डी, वचन पत्र (Promissory Note), सरकारी प्रतिभूतियां, धन के लिए बन्ध पत्र (Bonds) या अन्य प्रतिभूतियां, ऋण (Debts), निगम के अंश (Shares in a corporation) तथा वे सभी चल-अचल सम्पत्ति जो निर्णीत ऋणी (Judgment debtor) की है एवं जिसके लाभों पर वह अन्तरण की शक्ति रखता है जिसे वह अपने फायदे के लिए उपयोग कर सकता हो।

- **सम्पत्ति जो डिक्री के निष्पादन में कुर्की और विक्रय नहीं की जा सकेगी:-**

- (1) निर्णीत ऋणी, उसकी पत्नी तथा उसकी संतानों के पहनने के आवश्यक वस्त्र, खाने के बर्तन, चारपाई तथा बिछौने एवं निजी आभूषण जिन्हें कोई भी स्त्री अपनी धार्मिक प्रथा के अनुसार पृथक नहीं कर सकती।
- (2) शिल्पी के औजार, कृषक के खेती के उपकरण।
- (3) लेखा पुस्तकें (Accounts books)
- (4) वे वृत्तिकाएं (Stipends) और उपदान (Gratuities) जो कि सरकार के या किसी स्थानीय प्राधिकारी के या किसी अन्य नियोजन के पेंशन (Pension) या कोई पारिवारिक निवृत्ति निधि (Family Pension) , राजनैतिक पेंशन (Political Pension) या पूजा में चढ़ायी गई वस्तुओं को प्राप्त करने का अधिकार, कुर्की तथा विक्रय से उन्मुक्त है।
- (5) श्रमिकों और सेवकों की मजदूरी, भले ही वह धन के रूप में देय हो।
- (6) भरण पोषण की डिक्री (Decree of Maintenance) से भिन्न किसी डिक्री के निष्पादन में प्रथम 1000/- रुपये और बाकी को दो-तिहाई वेतन कुर्की से उन्मुक्त होगी।
- (7) भरण पोषण की डिक्री (Decree of Maintenance) के निष्पादन में वेतन का एक-तिहाई।
- (8) भविष्य निधि (Provident Fund)
- (9) भावी भरण-पोषण के अधिकार को तो कुर्क नहीं किया जा सकता किन्तु भरण-पोषण की बकाया रकम (Arrears of maintenance allowance) को कुर्क किया जा सकता है।
- (10) किसी निवास गृह के पट्टेदार का हित (Interest of lease)
- (11) उत्तरजीविता (Survivorship) द्वारा उत्तराधिकार की प्रत्याशा (Expectancy of Succession) अथवा अन्य मात्र सम्भावित या सम्भव अधिकार या हित।

- मनोज कुमार सिंह

विधि अधिकारी / बिलासपुर

विद्युत (कर्षण-वितरण) विभाग द्वारा इन-हाउस विकसित अभिनव उपकरण

1. रेग्युलेटिंग उपकरण (एटीडी) के "एक्स" मान को मापने के लिए

2. ओएचई मास्ट के झुकाव को मापने के लिए

पेंटोग्राफ ओवर हेड वायर से करंट एकत्र करता है, जो वातावरण के परिवेश के तापमान के अनुसार सिकुड़ता या फैलता है। पेंटोग्राफ द्वारा एकसमान करंट एकत्र करने और स्मूथ पास के लिए विभिन्न तापमानों में ओवर हेड वायर के तनाव को नियंत्रित करना आवश्यक होता है। ऑटो टेंशनिंग डिवाइस (एटीडी) ओएचई को विनियमित करता है और एटीडी के 2 पुली के बीच की दूरी को "X" मान कहा जाता है। उपर्युक्त पहला उपकरण पावर ब्लॉक के बिना जमीनी स्तर से 2 पुली यानी "X" मान के बीच क्षैतिज दूरी को मापता है। यह अभिनव उपकरण लेजर तकनीक पर आधारित है। लेज़र बीम जमीन से दोनों पुली पर लंबवत रूप से केंद्रित होती है और इस प्रकार ओवर हेड की क्षैतिज दूरी मापी जाती है। इस उपकरण का महत्व इस तथ्य से है कि इसके कारण बिना पावर ब्लॉक के ही "X" मान को जमीनी स्तर से मापा जा सकता है।



नींव के पास मिट्टी के तटबंध और पानी जमा होने के कारण, ओएचई मास्ट ट्रैक की ओर या बाहर झुक जाता है और ओएचई पैरामीटर को बाधित करता है जो कि पैंटो उलझाव आदि जैसी विफलता का कारण हो सकता है। कॉन्टैक्ट वायर लेवल (ओवर हेड) पर मास्ट के झुकाव को मापने के लिए दूसरे इनोवेटिव इंस्ट्रूमेंट का इस्तेमाल किया जा सकता है। पाइथागोरस प्रमेय और लेजर तकनीक पर आधारित इस उपकरण में जिसमें लेजर रेल स्तर (आधार) से विशेष दूरी पर झुके हुए या सीधे मास्ट (काल्पनिक) पर केंद्रित होता है, अब आरएल पर लेजर की क्षैतिज दूरी उचित स्तर पर मास्ट के झुकाव को दर्शाती है। संक्षेप में कहा जा सकता है कि इस उपकरण से ओएचई मास्ट का प्रोफाइल अधिक सूक्ष्मता से मापा जा सकता है।

इसे श्री अनुराग तिवारी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (टीआरडी), रायपुर और श्री प्रतीक मिश्रा, मंडल विद्युत इंजीनियर, (टीआरडी एवं परि.), रायपुर के मार्गदर्शन में कनिष्ठ इंजीनियर स्मृति साहू, गजानन पटेल, सुमित कुमार साहू, देवेन्द्र साहू और टीआरडी रायपुर के प्रभारी द्वारा विकसित किया गया है।

- स्मृति साहू
कनिष्ठ इंजीनियर (टीआरडी)
रायपुर

अपना-पराया

'आप किस स्कूल में शिक्षक हैं?'

'मैं लोकहितकारी विद्यालय में हूँ। क्यों, कुछ काम है क्या?'

'हाँ, मेरे लड़के को स्कूल में भरती करना है।'

'तो हमारे स्कूल में ही भरती करा दीजिए।'

'पढ़ाई-वढ़ाई कैसी है?'

'नंबर वन! बहुत अच्छे शिक्षक हैं। बहुत अच्छा वातावरण है। बहुत अच्छा स्कूल है।'

'आपका बच्चा भी वहाँ पढ़ता होगा?'

'जी नहीं, मेरा बच्चा तो 'आदर्श विद्यालय' में पढ़ता है।'

- हरिशंकर परसाई

सुई और कैंची

एक दिन स्कूल में जल्दी छुट्टी की घोषणा होने के कारण, एक दर्जी का बेटा, अपने पिता की दुकान पर चला गया।

वहाँ जाकर वह बड़े ध्यान से अपने पिता को काम करते हुए देखने लगा। उसने देखा कि उसके पिता कैंची से कपड़े को काटते हैं और कैंची को पैर के नीचे दबा कर रख देते हैं। फिर सुई से उसको सीते हैं और सीने के बाद सुई को अपनी टोपी पर लगा लेते हैं। जब उसने इसी क्रिया को चार-पाँच बार देखी तो उससे रहा नहीं गया, तो उसने अपने पिता से कहा कि वह एक बात उनसे पूछना चाहता है!

पापा ने कहा- बेटा बोलो, क्या पूछना चाहते हो?

बेटा बोला - पापा मैं बड़ी देर से आपको देख रहा हूँ, आप जब भी कपड़ा काटते हैं, उसके बाद कैंची को पैर के नीचे दबा देते हैं, और सुई से कपड़ा सीने के बाद, उसे टोपी पर लगा लेते हैं, ऐसा क्यों ?

उत्तर था- "बेटा, कैंची काटने का काम करती है, और सुई जोड़ने का काम करती है। काटने वाले की जगह हमेशा नीची होती है परन्तु जोड़ने वाले की जगह हमेशा ऊपर होती है। यही कारण है कि मैं सुई को टोपी पर लगाता हूँ और कैंची को पैर के नीचे रखता हूँ।"

(संकलन)

मजबूरी

एक दावत में मुल्ला नसरुद्दीन दोनों हाथों से खाना खा रहे थे।

किसी ने टोका - ' मुल्ला यह क्या कर रहे हो ? दोनों हाथों से क्यों खा रहे हो ?

' तीसरा हाथ जो नहीं है ' - मुल्ला ने जवाब दिया।

(संकलन)

संकलनकर्ता - हरीश चंद्र कर

लोको पायलट (गुड्स), रायपुर

अस्तित्व की लड़ाई

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है।

वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। वह बाघ भी उसके पीछे दौड़ने लगा। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई।

वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। तब उसने देखा कि तालाब बहुत गहरा नहीं था। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था।

उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम थी। लेकिन अब वे दोनों कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस कीचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। वह बाघ भी उसके पास होते हुए भी उसे पकड़ नहीं सका। वह भी धीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों ही करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फंस गए।

दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा- क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है?

बाघ ने गुराते हुए कहा- मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं।

गाय ने कहा- लेकिन तुम्हारी उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है?

उस बाघ ने कहा- तुम भी तो फंस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी ही है।

गाय ने मुस्कुराते हुए कहा,..... बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूँढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा।.. तुम्हें कौन ले जाएगा?

थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया। जाते समय गाय और उसका मालिक दोनों एक दूसरे की तरफ कृतज्ञता पूर्वक देख रहे थे। वे चाहते हुए भी उस बाघ को कीचड़ से नहीं निकाल सकते थे.. क्योंकि उनकी जान के लिए वह खतरा था।

इस कहानी में --

गाय - समर्पित हृदय का प्रतीक है।

बाघ ---- अहंकारी मन है।

और

मालिक---- ईश्वर का प्रतीक है।

कीचड़---- यह संसार है।

और

यह संघर्ष---- अस्तित्व की लड़ाई है।

""""किसी पर निर्भर नहीं होना अच्छी बात है, लेकिन मैं ही सब कुछ हूं, मुझे किसी के सहयोग की आवश्यकता नहीं है-- यही अहंकार है और यहीं से विनाश का बीजारोपण हो जाता है। क्योंकि "अहंकार आसुरी संपत्ति है जिससे विनाश निश्चित है"

ईश्वर से बड़ा इस दुनिया में सच्चा हितैषी कोई नहीं होता, क्योंकि वही अनेक रूपों में हमारी रक्षा करता है।

इसलिए ईश्वर में आस्था बनाए रखें, उसके लिए समर्पण का भाव रखें, संघर्ष में विचलित ना हो क्योंकि.... इस कीचड़ रूपी संसार से ईश्वर हमको जरूर निकाल लेंगे, यह विश्वास बनाए रखें।

धन्यवाद।

संकलनकर्ता - लोकेश विश्नोई

अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

माह के साहित्यकार - महादेवी वर्मा

जन्म : 26 मार्च 1907

निधन : 11 सितंबर 1987

जन्म स्थान : फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश

उपनाम : आधुनिक मीरा

प्रमुख कृतियाँ : नीहार, नीरजा, रश्मि, सान्ध्यगीत, दीपशिखा, यामा, सप्तपर्णा, प्रथम आयाम, अग्निरेखा, अतीत के चलचित्र, स्मृति की रेखाएं, पथ के साथी, मेरा परिवार, संस्मरण आदि ।

विविध : 'पद्मविभूषण, 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' (1983)



जाग तुझको दूर जाना

चिर सजग आँखें उनींदी,
आज कैसा व्यस्त बाना ।
जाग तुझको दूर जाना ॥

अचल हिमगिरि के हृदय में
आज चाहे कम्प हो ले,
या प्रलय के आँसुओं में
मौन अलसित व्योम रो ले,
आज पी आलोक को
डोले तिमिर की घोर छाया,
जाग या विद्युत शिखाओं में
निठुर तूफान बोले,
पर तुझे है नाश पथ पर
चिन्ह अपने छोड़ आना ।
जाग तुझको दूर जाना ॥

बाँध लेंगे क्या तुझे यह
मोम के बंधन सजीले,
पंथ की बाधा बनेंगे
तितलियों के पर रंगीले,
मधुप की मधुर गुनगुन,
क्या डुबो देंगे तुझे
यह फूल दे दल ओस गीले,
तू न अपनी छाँह को
अपने लिये कारा बनाना ।
जाग तुझको दूर जाना ॥
वज्र का उर एक छोटे
अश्रु कण में धो गलाया,
दे किसे जीवन-सुधा
दो घूँट मदिरा माँग लाया,
सो गई आँधी मलय की

बात का उपधान ले क्या,
विश्व का अभिशाप क्या
अब नींद बनकर पास आया,
अमरता सुत चाहता क्यों
मृत्यु को उर में बसाना ।
जाग तुझको दूर जाना ॥
कह न ठंडी साँस में अब
भूल वह जलती कहानी,
आग हो उर में तभी
दृग में सजेगा आज पानी,
हार भी तेरी बनेगी
माननी जय की पताका,
राख क्षणिक पतंग की है
अमर दीपक की निशानी,
है तुझे अंगार-शय्या
पर मृदुल कलियां बिछाना ।

इस ई-पत्रिका पर पाठकों की प्रतिक्रियाएं सादर आमंत्रित हैं। कृपया अपने सुझाव व्हाट्सएप्प नंबर 9752877615 अथवा ई-मेल tolic.raipur.drm@gmail.com पर प्रेषित करें ताकि हम इसे और बेहतर बना सकें।

मंडल की गतिविधियां संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।